आपदा पर भारी दिख रही आस्था

बाढ़ की विभीषिका के बाद भी कई यात्री इस बार ही जाना चाहते हैं गंगोत्री

केस- एक

पहली बार गंगोत्री की यात्रा पर अपने परिवार पत्नी और दो बेटियों के साथ आया था। 16 जून को जैसे ही कंडीसौड़ से 10 बजे गंगोत्री के लिए चला सड़क बंद मिली। स्थानीय लोगों ने यही रुकने का सुझाव दिया। इस दौरान लोगों ने मुझे और मेरे परिवार की हर संभव मदद दी। सड़क खुलने पर बिना दर्शन किए हुए वापस जा रहा हूं। जब भी समय मिलेगा गंगोत्री दर्शन के लिए जरूर आएंगे। *-बासुदेव, यात्री गुजरात गांधीनगर*

केस- दो

हम लोग बनारस से चार परिवार गंगोत्री की यात्रा पर आए थे। 16 जून से कंडीसौड़ में फंसे हुए हैं। बारिश और चारों तरफ गदेरों के उफान देखकर डर लगा। इंटर कालेज के राहत शिविर में दो दिन बिताएं। रात-दिन सो नहीं पाए। लेकिन प्रशासन और व्यापारियों की ओर से शिविर में हर तरह की मदद की गई। अब सड़क खुल गई है। तो हम गंगोत्री जाकर ही वापस अपने घरों को लौटेंगे। *-सुधा, 65 वर्ष यात्री बनारस*

मातली हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर से वीआईपी को चढ़ते उतरते देखते परेशानहाल यात्री।

अमर उजाला ब्यूरो

कंडीसौड़। ये दो ऐसे उदाहरण हैं, जो यह बताने के लिए काफी हैं कि आपदा की इस घड़ी में स्थानीय लोग यात्रियों की मदद को हाथ जुटा रहे हैं। इसके साथ ही तीर्थयात्रियों का गंगोत्री के प्रति आस्था भी है। बेशक कुछ लोग इस बार लौटना चाहते हैं, लेकिन वे फिर गंगोत्री यात्रा का कार्यक्रम जरूर बनाना चाहते हैं। ऐसे भी तीर्थयात्री हैं जो इस विभीषिका के बाद भी अपनी यात्रा को टालना नहीं चाहते। वे गंगोत्री जाना ही चाहते हैं। आस्था आपदा पर भारी दिख रही है। तीर्थयात्रियों का मानना है कि बेशक आपदा को कोई रोक नहीं सकता। बावजूद इसके आपदा प्रबंधन के लिए ठोस सिस्टम विकसित करने की जरूरत है।

प्रशासन के साथ ही व्यापारियों ने की मदद

पांच दिन बाद खुला, मार्ग लौटे तीर्थयात्री

कंडीसौड़ (टिहरी)। कोटीगाड के समीप पांच दिनों से बंद गंगोत्री राजमार्ग खुल गया है। जिससे छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। ऐसे में धरासू की तरफ फंसे तीन सौ यात्री यहां पहुंच गए हैं। प्रशासन की ओर से जीआइसी में यात्रियों के रहने-खाने की व्यवस्था की गई है। मार्ग खुलने से अब अधिकांश यात्री घर वापस होने लगे हैं। बेशक उनमें रास्ते बंद होने से खौफ है।

कोटीगाड के समीप पांच दिनों से बंद चल रहे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को बीआरओ को यातायात बहाल करने में कामयाबी मिल गई। मार्ग बंद रहने से धरासू की तरफ फंसे 300 यात्री सकुशल अपने घरों की ओर रवाना हो गए। मार्ग सिर्फ छोटे वाहनों के लिए ही खुल पाया है। बड़े वाहन अब भी वहां फंसे हैं।

एनडीआरएफ के जवान केदारनाथ रवाना

नई टिहरी। 14 घंटे की मशक्त के बाद नई टिहरी-कीर्तिनगर मोटर मार्ग पर यातायात बहाल हो गया है। जिससे राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ के 40 जवान केदारनाथ रवाना हो गए हैं। वे दो दिनों से सड़क बंद होने से टिपरी में फंसे थे। मंगलवार अपराह्न एक बजे टिपरी में चट्टान से मलबा आने से मार्ग बाधित हो गया था। वहां पर एनडीआरएफ के दो वाहन फंसे पड़े थे। बुधवार शाम तीन बजे मार्ग खुलने के बाद एनडीआरएफ के जवान श्रीनगर के रास्ते केदारनाथ के लिए रवाना हो गए।